[This question paper contains 4 printed pages.]

1217 *Your Roll No.* .....

B.A. (Hons.) / I Sem. **B**

PHILOSOPHY – Paper 1.2

(Elements of Indian Philosophy – I)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the distincion made between Orthodox and heterodox schools of thought in the classical Indian philosophy. Explain the common characteristics as well.

P.T.O.

पारम्परिक भारतीय दर्शन में आस्तिकवाद तथा नास्तिकवाद में किए गए भेद की विवेचना कीजिए। इनकी सामान्य विशेषताओं की भी व्याख्या कीजिए।

2. Discuss the main features of the Cārvāka school of thought.

चार्वक दर्शन के मुख्य लक्षणों की विवेचना कीजिए।

3. Explain the Buddhist theory of *pratītyasamūtpāda*.

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Explain the doctrine of Momentariness in Buddhism. How is the theory of no-soul related to it? Discuss.

बौद्ध दर्शन के 'क्षणिक वाद' सिद्धान्त को समझाईए। अनात्मवाद सिद्धान्त से यह कैसे सम्बन्धित है ? व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the Jaina concept of *anekāntavāda*.

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the Jaina theory of *syādavāda* with special reference to their *nayavāda*.

जैन दर्शन की स्यादवाद धारणा की नयवाद के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

5. Examine the *Nyāya* theory of inference.

न्याय दर्शन में प्रतिपादित 'अनुमान' सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

State and explain seven categories in Vaiśeṣika philosophy.

वैशेषिक दर्शन में प्रतिपादित सात पदार्थों को बताइए तथा उनकी व्याख्या कीजिए।

6. Discuss the Sāṁkhya theory of *prakṛitiparināmavāda*.

सांख्य दर्शन में प्रतिपादित प्रकृतिपरिणामवाद सिद्धान्त की विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Explain the dualism between *prakṛiti* and *puruśa* as formulated in the Sāṁkhya philosophy.

सांख्य दर्शन में प्रतिपादित प्रकृति तथा पुरूष के द्वैतवाद की व्याख्या कीजिए।

7. Write short notes on any **two** of the following :–

(i) Jaina Ethics

(ii) Buddhist eight fold path

(iii) Nyaya theory of perception

(iv) Ashtānga yoga of patanjali

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी करें :

(i) जैन आचारशास्त्र

(ii) बौद्ध दर्शन का अष्टांग मार्ग

(iii) न्याय दर्शन का प्रत्यक्ष सिद्धान्त

(iv) पातांजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग